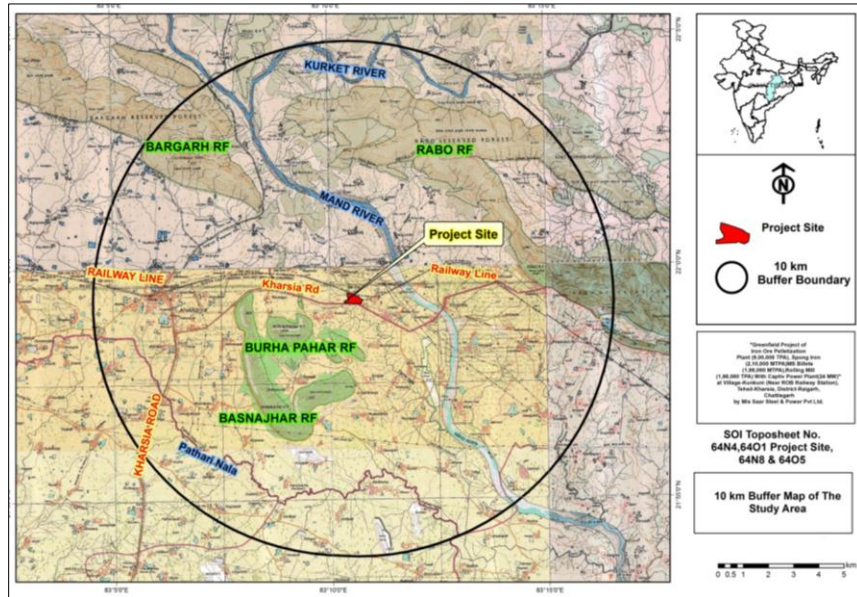


## जन सुनवाई के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन रिपोर्ट (EIA Report) का सारांश

ग्रीनफील्ड परियोजना आयरन ओर पेलेटाइजेशन प्लांट, डी.आर.आई प्लांट, एम.एस. बिलेट्स, कैप्टिव पावर प्लांट अथवा रोलिंग मिल

### परियोजना का स्थल

ग्राम- कुनकुनी (रॉबर्टसन रेलवे स्टेशन के पास), तहसील-खरसिया,  
जिला-रायगढ़, छत्तीसगढ़



द्वारा प्रस्तुत

मेसर्स सार स्टील एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड (Saar Steel & Power Private Limited)  
पहली मंजिल, दुकान संख्या 45/46, चैतन्य नगर,  
कृष्णा कॉम्प्लेक्स, रायगढ़-496661, छत्तीसगढ़

मार्च - 2022

## विषय

1.0 परियोजना विवरण	3
2.0 परियोजना क्षमता	4
3.0 परियोजना का स्थान	4
4.0 संसाधन आवश्यकता	4
5.0 कच्चे माल की आवश्यकता	5
6.0 पानी की आवश्यकता	5
7.0 आधारभूत पर्यावरण का विवरण	6 to 7
8.0 प्रत्याशित पर्यावरणीय प्रभाव और शमन उपाय	6
9.0 पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम	7
10.0 अतिरिक्त अध्ययन	7
11.0 परियोजना लाभ	8
12.0 पर्यावरण प्रबंधन योजना	8

## 1.0 परियोजना विवरण

मेसर्स सार स्टील एंड पावर प्लांट प्रा. लिमिटेड ने ग्राम-कुंकुनी, तहसील-खरसिया, जिला-रायगढ़, छत्तीसगढ़ में आयरन ओर पेलेटाइजेशन प्लांट, डीआरआई, एसएमएस विद कॉस्टर, कैप्टिव पावर प्लांट और रोलिंग मिल यूनिट की स्थापना के लिए ग्रीनफील्ड परियोजना का लगाने का निर्णय है।

ई.आई.ए अध्ययन आयोजित करने के लिए संदर्भ की शर्तें (टी.ओ.आर) प्राप्त करने के लिए एम.ओ.ई.एफ & सी.सी को आवेदन प्रस्तुत किया गया था। प्रोजेक्ट को एम.ओ.ई.एफ & सी.सी में प्रपोजल संख्या- IA/CG/IND/215867/2021 के साथ जमा किया जिसके बाद प्रोजेक्ट को ToR की प्राप्ति हुई जिसकी संख्या- F.No.J-11011/257/2021-IA.ii है।

"परियोजना ई.आई.ए अधिसूचना, 2006 और अब तक के संशोधन के अनुसार अनुसूची 3 (A) की श्रेणी 'A' के अंतर्गत आती है और ई.ए.सी (Industry-I), एम.ओ.ई.एफ & सी.सी, नई दिल्ली द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा"

बेसलाइन अध्ययन 1 अक्टूबर 2021 से 31 दिसंबर, 2021 के दौरान मानसून के बाद के मौसम के दौरान किया गया था।

परियोजना के लिए 20.28 Ha जमीन की आवश्यकता पड़ेगी तथा हरित क्षेत्र 6.70 हेक्टेयर होगा जो कुल भूमि क्षेत्र का 33% है। सीपीसीबी/एमओईएफ और सीसी मानदंडों के अनुसार आवश्यक कुल पेड़ @ 2,500/हेक्टेयर = 6.70 x 2500 = 16750 पेड़ लगाए जाएंगे।

### परियोजना प्रमोटर:

मेसर्स सार स्टील एंड पावर प्रा. लिमिटेड का प्रबंधन निदेशक श्री ऋषभ अग्रवाल, श्री अनुभव सिंघल और श्री अमन अग्रवाल द्वारा किया जाएगा। वे संचालन के संबंधित क्षेत्रों के लिए अनुभवी और जानकार कर्मचारी हैं। वे पहले से ही छत्तीसगढ़ में कई लोहा और इस्पात निर्माण इकाइयां सफलतापूर्वक चला रहे हैं। उपरोक्त सूचीबद्ध निदेशकों का विवरण नीचे दिया गया है। कंपनी के निदेशक मंडल निम्नलिखित हैं: -

क्रमांक.	निदेशकों का नाम	कार्य अनुभव
1	श्री ऋषभ अग्रवाल	सभी प्रमोटरों के पास इस्पात उद्योग के क्षेत्र में कई वर्षों का अनुभव है। कंपनी को तकनीकी रूप से योग्य और पेशेवर रूप से अनुभवी टेक्नोक्रेट द्वारा बढ़ावा दिया जाता है
2	श्री अनुभव सिंघल	
3	श्री अमन अग्रवाल	

## 2.0 परियोजना क्षमता

- आयरन ओर पेलेटाइजेशन प्लांट = 9,00,000 TPA
- स्पंज आयरन उत्पादन = 2,31,000 TPA
- बिलेट्स उत्पादन = 2,04,000 TPA
- रोलिंग मिल = 1,98,000 TPA
- कैप्टिव पावर प्लांट = 24 MW

## 3.0 परियोजना का स्थान

परियोजना स्थल ग्राम- कुनकुनी, तहसील-खरसिया, जिला-रायगढ़, छत्तीसगढ़ में स्थित है। परियोजना स्थल रायगढ़-खरसिया सड़क से लगा हुआ है। निकटतम रेलवे स्टेशन रॉबर्टसन रेलवे स्टेशन है, जो परियोजना स्थल से पूर्व दिशा की ओर लगभग 0.5 कि.मी की दूरी पर स्थित है। रायगढ़ शहर परियोजना स्थल से दक्षिण पूर्व दिशा की ओर लगभग 24.0 कि.मी की दूरी पर स्थित है। SH-1 की दूरी परियोजना स्थल से पश्चिम दिशा की ओर लगभग 19.6 कि.मी है। निकटतम महत्वपूर्ण हवाई अड्डा वीर सुरेंद्र साई हवाई अड्डा, झारसुगुडा, ओडिशा है, जो परियोजना स्थल से पूर्व दिशा में लगभग 85 कि.मी की दूरी पर स्थित है। मांड नदी परियोजना स्थल से 2.8 कि.मी की दूरी पर पूर्वोत्तर दिशा की ओर है और कुरकेट नदी लगभग पूर्वोत्तर दिशा की ओर 8.5 कि.मी. संयंत्र क्षेत्र में कोई नदी नहीं है। अत्यधिक तापमान परिवर्तन के साथ क्षेत्र की जलवायु शुष्क है। कोई भी राष्ट्रीय उद्यान/अभयारण्य संयंत्र क्षेत्र के 5 कि.मी के दायरे में नहीं आता है। स्थान भूकंपीय क्षेत्र- III में है।

## 4.0 संसाधन आवश्यकता

जमीन की आवश्यकता = 20.28 Ha

पावर की आवश्यकता = 38 मेगावाट (24 मेगावाट बिजली सी,पी.पी से प्राप्त की जाएगी और शेष राज्य विद्युत बोर्ड से प्राप्त की जाएगी) बिजली की विफलता के दौरान, 600 केवीए डीजी सेट आपातकालीन उपयोग के लिए संचालित किया जाएगा।

पानी की आवश्यकता = 1776.5 KLD

मैनपावर की आवश्यकता = 400

## 5.0 कच्चे माल की आवश्यकता

आयरन ओर कंसन्ट्रेट, बेंटोनाइट, लाइम पाँवडर, इंडियन कोल्, LDO, पुल्वेरीज़ेड कोल् , आयरन पेलेट, स्पॉज आयरन, स्कारप, फेर्रो एलाय, M.S बिल्लेट्स।

## 6.0 पानी की आवश्यकता

प्रस्तावित परियोजना इस्पात परियोजना के लिए घरेलू जल सहित कुल पानी की आवश्यकता 1776.5 केएलडी होगी। इसमें मेक-अप वॉटर पेलेट प्लांट, डीआरआई भट्टा, इंडक्शन फर्नेस, रोलिंग मिल और पावर प्लांट शामिल हैं। कैप्टिव पावर प्लांट में एयर कूल्ड कंडेनसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसलिए शुद्ध पानी की आवश्यकता काफी हद तक कम हो जाएगी। भू-जल अनुमति पत्र मिल गया है जिसक संख्या CGWA/NOC/IND/ORIG/2020/8118, जो 31.05.2022 तक मान्य है।

## 7.0 आधारभूत पर्यावरण का विवरण

1 अक्टूबर से 31 दिसंबर, 2021 तक तीन महीनों के लिए साप्ताहिक रूप से आठ स्थानों पर वायु गुणवत्ता विश्लेषण किया गया।

- अध्ययन के दौरान PM10 64.1 से 86.8 ug/m<sup>3</sup> के बीच पाया गया।
- पीएम2.5 37.3 से 49.9 के बीच पाया गया।
- SO<sub>2</sub> 6.0 से 10.8 ug/m<sup>3</sup> के बीच देखी गई, जो मानक सीमा के भीतर है।
- में NO<sub>x</sub> 10.3 से 20.7 ug/m<sup>3</sup> के बीच पाया गया, जो मानक सीमा के भीतर है।

अध्ययन क्षेत्र में आठ स्थानों पर भूजल विश्लेषण किया गया है।

- पी.एच 7.43 से 7.72 के बीच पाया गया है।
- TDS 670 से 770 mg/l के बीच पाया गया है।
- Total hardness 236-281 के बीच पाया गया है।
- कुल क्षारीयता 224-281 के बीच पाया गया है।
- पानी में अधिकतम Iron 0.46-0.58 के बीच पाया गया है।

अध्ययन क्षेत्र में आठ स्थानों पर सतही जल का विश्लेषण किया गया।

- TDS 326 से 880 mg/l के बीच पाया गया है।
- DO 1.1 से 6.7 mg/l के बीच पाया गया है।
- COD 19 से 45 mg/l के बीच पाया गया है।
- BOD 3.1 से 10.1 mg/l के बीच पाया गया है।

05 नमूना स्थानों से मिट्टी के नमूने एकत्र किए गए थे। विश्लेषण के परिणाम बताते हैं कि मिट्टी अम्लीय और क्षारीय प्रकृति की है क्योंकि पी.एच मान 6.78 से 7.56 के बीच पाया गया है।, आयरन 0.3 से 1.8 mg/l, Bulk Density 1.39 से 1.43 gm/cc, Water Holding Capacity 29.8 से 31.9% है। कुल नाइट्रोजन (N के रूप में) 135.63 से 195.96 किग्रा/हेक्टेयर, कुल फास्फोरस (P<sub>2</sub>O<sub>5</sub> के रूप में) 18.77 से 24.60 किग्रा/हेक्टेयर और उपलब्ध पोटेशियम (के रूप में) किग्रा/हेक्टेयर 382.93 से 448.45 किग्रा/हेक्टेयर है। परियोजना स्थल पर मिट्टी की बनावट रेतीली मिट्टी है।

आठ स्थानों पर ध्वनि गुणवत्ता विश्लेषण किया गया है। अध्ययन क्षेत्र के आसपास दिन के शोर स्तर का आकलन अध्ययन अवधि के दौरान 43.2 से 69.5 डी.बी (ए) के बीच होता है। जबकि रात के समतुल्य 35.5 से 58.7 डी.बी (ए) के बीच थे।

अध्ययन क्षेत्र में 72 चिन्हित बस्तियां हैं जिनमें से 71 गांव और एक कस्बा है। 71 गांवों में से 67 जिले रायगढ़ में स्थित हैं। खरसिया जिला रायगढ़ में स्थित एकमात्र शहर है।

2011 की जनगणना के अनुसार अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या 97649 है। इसमें 83.3 प्रतिशत पुरुष और शेष 16.7 प्रतिशत महिलाएं हैं।

## 8.0 प्रत्याशित पर्यावरणीय प्रभाव और शमन उपाय

- कच्चा माल धूल अयस्क से निपटने के दौरान उत्पन्न होने वाला मुख्य प्रदूषक है।
- कोयले की हैंडलिंग के दौरान धूल के उत्पादन को कम करने के लिए वाटर स्पिंकलर का उपयोग किया जाएगा।
- धूल उत्पादन को कम करने के लिए गीली धूल दमन प्रणाली स्थापित की जाएगी।
- सभी बेल्ट कन्वेयर को कवर किया जाएगा। आंतरिक सड़कों को पक्का किया जाएगा।
- कार्यशालाओं और अन्य कार्य क्षेत्रों में औद्योगिक वैक्यूम क्लीनर का उपयोग किया जाएगा।
- सभी आंतरिक सड़कों की दैनिक सफाई के लिए मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें लगाई जाएंगी।
- कोई औद्योगिक अपशिष्ट जल का निर्वहन नहीं होगा क्योंकि संयंत्र को शून्य अपशिष्ट निर्वहन सिद्धांत पर डिजाइन किया जाएगा।
- सीवेज उपचार और निपटान के लिए सेप्टिक टैंक और उसके बाद सोक पिट उपलब्ध कराए जाएंगे।
- जीरो एफ्लुएंट डिस्चार्ज का अभ्यास किया जाएगा।
- 100% अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण किया जाएगा और शून्य निर्वहन की स्थिति को बनाए रखा जाएगा।

- कम ध्वनि उत्सर्जक संयंत्र और मशीनरी का चयन किया जाएगा। 33 प्रतिशत भूमि क्षेत्र को हरित पट्टी के रूप में विकसित किया जाएगा। संयंत्र की सीमा पर ध्वनि का स्तर 70 डी.बी.ए से नीचे रखा जाएगा।
- मौजूदा ट्रक मूवमेंट पैटर्न में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होगा। परिवहन अधिकारियों के परामर्श से उपयुक्त यातायात प्रबंधन योजना लागू की जाएगी।

## 9.0 पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम

पर्यावरण प्रबंधन प्रकोष्ठ (ई.एम.सी) की स्थापना नियमित पर्यावरण निगरानी के लिए की जाएगी। निर्धारित कानूनों और मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निगरानी की जाएगी। ई.एम.सी के प्रमुख प्लान्ट हेड को रिपोर्ट करेंगे। योग्य कर्मचारियों की भर्ती ई.एम.सी में की जाएगी। परिवेशी वायु, ढेर उत्सर्जन, भगोड़ा धूल उत्सर्जन, ध्वनि स्तर, भूजल गुणवत्ता, सतही जल गुणवत्ता और मिट्टी की पर्यावरण निगरानी मानदंडों के अनुसार की जाएगी। ई.एम.सी निम्नलिखित कार्यों के लिए जिम्मेदार होगा: -

- फ्युजिटिव एमिशन को मापना, काम के माहौल में PM2.5 और PM10 को मापना और सुधारात्मक और निवारक कार्रवाई शुरू करने के लिए किसी भी असामान्यता की रिपोर्ट करें।
- क्रशर की हवा की दिशा और हवा के नीचे की दिशा में परिवेशी वायु गुणवत्ता को मापना।
- अपशिष्ट जल की गुणवत्ता (इनलेट और आउटलेट) की जाँच करना।
- परियोजना क्षेत्र और आसपास के गांवों के पास भूजल की गुणवत्ता की जांच करना।
- साइट के अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम में दामोदर नदी की जल गुणवत्ता।
- संयंत्र की सीमा, निकटतम आवास, राजमार्ग के पास, और कार्य पर शोर की निगरानी क्षेत्र।
- संयंत्र के भीतर हरित पट्टी और हरियाली का विकास और रखरखाव।

## 10.0 अतिरिक्त अध्ययन

आपात स्थिति में परियोजना क्षेत्र में आग से निपटने के लिए पर्याप्त अग्नि शमन उपाय सुनिश्चित किए जाएंगे। किसी भी दुर्घटना के दौरान जनस्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखने के लिए आपदा प्रबंधन योजना तैयार की गई है।

सी.ई.आर सी.ई.आर मानदंडों के अनुसार किया जाएगा। आम तौर पर, सी.ई.आर राशि स्थानीय स्कूलों में कक्षाएं बनाने, शिक्षण सहायता प्रदान करने, सामुदायिक केंद्र बनाने, आस-पास के गांवों में पेयजल सुविधा विकसित करने, क्षेत्र में एनीकट और चेक बांध जैसी वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनाने, बुनियादी सुविधाओं और उपकरणों के विकास के लिए खर्च की जाती है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र।

एम.ओ.ई.एफ.एंड.सी.सी कार्यालय जापन के अनुसार F.No.22-65/2017-IA.III dated:- 30 सितंबर 2020, सी.ई.आर के लिए गतिविधियों को संबोधित करने के लिए परियोजना प्रस्तावक द्वारा की गई प्रतिबद्धता के लिए बजटीय आवंटन (1.9 करोड़ रुपये) है।

### **11.0 परियोजना लाभ**

प्रस्तावित परियोजना से अध्ययन क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक वातावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। यह भौतिक अवसंरचनात्मक सुविधाओं के और विकास सहित इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने में मदद करता है।

निर्माण चरण के दौरान दैनिक मजदूरी के आधार पर लगभग 100-150 लोगों को रोजगार मिलेगा। लगभग। कुशल, अर्ध-कुशल और अकुशल श्रेणी के लिए परिचालन चरण के दौरान 400 व्यक्तियों (Admin स्टाफ के लिए -25, Production -275 और contractual -100 के लिए) व्यक्तियों को नियोजित किए जाने की उम्मीद है। अर्धकुशल एवं अकुशल श्रेणी में रोजगार हेतु स्थानीय लोगों को वरीयता दी जायेगी। इससे आसपास के क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। जी.एस.टी के माध्यम से राज्य और केंद्र के खजाने को अधिक राजस्व उत्पन्न होगा।

### **12.0 पर्यावरण प्रबंधन योजना**

पर्यावरणीय प्रभावों के प्रभावी प्रबंधन और उपयुक्त प्रबंधन प्रक्रियाओं के माध्यम से पर्यावरण की समग्र सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण प्रबंधन योजना विकसित की गई है। अनुशंसित शमन उपायों को लागू करने और ई.एम.पी को संस्थागत बनाने के लिए, 16.8 करोड़ का पूंजीगत व्यय किया गया है और आवर्ती वार्षिक व्यय 3.66 रुपये होगा।

पर्यावरण प्रबंधन प्रकोष्ठ (ई.एम.सी) यह सुनिश्चित करेगा कि सभी वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, अपशिष्ट उपचार संयंत्र और जल पुनर्चक्रण प्रणाली प्रभावी ढंग से कार्य करें। EMC, अधिकृत विक्रेताओं को खर्च किए गए तेल और स्नेहक और प्रयुक्त बैटरियों के निपटान की निगरानी भी करेगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए निर्माण चरण के दौरान वृक्षारोपण शुरू किया जाएगा। ई.एम.सी द्वारा संसाधन संरक्षण (कच्चा माल, पानी, आदि), वर्षा जल संचयन और सामाजिक वानिकी विकास की योजनाएं शुरू की जाएंगी। कर्मचारियों के लिए नियमित पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।



श्रमिकों का समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। ई.एम.सी संयंत्र में साफ-सफाई और औद्योगिक स्वच्छता सुनिश्चित करेगी। ईएमसी संरक्षा विभाग के सहयोग से संयंत्र के चालू होने के दौरान संभावित जोखिम परिदृश्यों की पूरी समीक्षा करेगी। समीक्षा से प्रदूषण उपशमन, संसाधन संरक्षण, दुर्घटना निवारण और अपशिष्ट न्यूनीकरण के लिए प्रस्तावित सुरक्षा उपायों को लागू करना सुनिश्चित होगा। ई.एम.पी के कार्यान्वयन से यह सुनिश्चित होगा कि परियोजना के सभी तत्व अपने पूरे जीवन चक्र में प्रासंगिक पर्यावरण कानून का पालन करते हैं।

**PREPARED BY:**

**GRASS ROOTS RESEARCH & CREATION INDIA (P) LTD.**

(QCI/NABET ACCREDITED NO. NABET/EIA/2124/RA 0213)

**F-374-375, Sector-63, Noida, U.P.**

**Ph.: 0120- 4044630, Telefax: 0120- 2406519**

***Email: eia@grc-india.com, grc.enviro@gmail.com***

***Website: <http://www.grc-india.com>***